मुख्यमंत्री भजनलाल ने सवाई माधोपुर, करौली, धौलपुर जिलों का हवाई सर्वेक्षण किया

उन्होंने चकचैनपुरा, मण्डरायल व बिश्नोदा में अतिवृष्टि प्रभावित लोगों से संवाद किया

जयपुर, 4 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को सवाई माधोपुर, करौली और धौलपुर जिलों में जलभराव व अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सवाई माधोपुर जिले के चकचैनपुरा, करौली जिले के मण्डरायल एवं धौलपुर जिले के बिश्नोदा में प्रभावित लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को आपदा राहत कार्य मुस्तैदी से करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सवाई माधोपुर जिले के भारी बारिश से प्रभावित गांवों का हवाई सर्वेक्षण कर अतिवृष्टि से हुए जलभराव और नुकसान का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने भारी बारिश एवं जलभराव से प्रभावित लोगों से संवाद करते हुए कहा कि जिला कलेक्टर, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों से नियमित रूप से बैठक कर फीडबैक लिया जा रहा है। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूल, आंगनबाड़ी, अस्पताल और सड़कों की मरम्मत के कार्य प्राथमिकता से पूरे करवाए जाएं। फसल खराबे की भरपाई हेतु

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए एसडीआरएफ की दो टीमें राजाखेड़ा तथा एक-एक टीम धौलपुर व सरमथुरा उपखंड क्षेत्रों में तैनात की गई हैं।**

गिरदावरी की कार्यवाही शीघ्र पूरी की जाए।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के अतिवृष्टि एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में सिविल डिफेंस एवं आपदा राहत बलों की टीमें निरंतर कार्य कर रही हैं। धौलपुर जिले में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए एवं राहत बचाव कार्य हेतु एसडीआरएफ की 2 टीमें राजाखेड़ा एवं 1-1 टीम धौलपुर व सरमथुरा उपखण्ड क्षेत्रों में तैनात की गई हैं। एनडीआरएफ की एक टीम धौलपुर मुख्यालय पर तैनात है। सेना का एक दल भी राहत और बचाव कार्यों के लिए धौलपुर बुलाया जा चुका है। इन क्षेत्रों के प्रभावित गांवों में से 2700 से अधिक लोगों को

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को सवाई माधोपुर, करौली और धौलपुर जिलों में जलभराव व अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का हवाई दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

इस दौरान आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विधायक जितेन्द्र गोठवाल, दर्शन सिंह गुर्जर, हंसराज मीणा, जसवंत सिंह गुर्जर मौजूद थे।

राज्यसभा ने शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 04 अगस्त। राज्यसभा ने सोमवार को अपने मौजूदा सदस्य और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया और उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी।

उप सभापति हरिवंश ने सदस्यों को बताया कि उन्हें बड़े दुख के साथ सदस्यों को यह सूचित करना पड़ रहा है कि सदन के

- **श्रद्धांजलि के बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।**

मौजूदा सदस्य शिबू सोरेन का आज निधन हो गया। उन्होंने कहा कि सोरेन जाने-माने सामाजिक तथा विशिष्ट आदिवासी नेता थे। आम लोगों में उन्हें दिशोम गुरूजी के नाम से जाना जाता था। उपसभापति ने कहा कि सोरेन ने अलग झारखंड राज्य के गठन से संबंधित आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी और तीन बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे।

उन्होंने कहा कि सोरेन के निधन से देश ने एक अनुभवी सांसद और आदिवासी अधिकारों के पैरोकार को खो दिया।

विपक्षी दलों के हंगामे के कारण नहीं चली लोकसभा

स्पीकर ओम बिड़ला ने पहले दो बजे तक और फिर दिन भर के लिए लोकसभा स्थगित की

नयी दिल्ली, 04 अगस्त। लोकसभा में सोमवार को बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया वापस लेने की मांग को लेकर विपक्षी दलों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी।

एक बार स्थगन के बाद दो बजे सभापति जगदंबिका पाल ने सदन की कार्यवाही जैसे शुरु की विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए सदन के बींचोबीच आ गये। सदस्यों ने एसआईआर वापस लेने को लेकर नारे लगाते रहे। सभापति ने शोरशराबे के बीच ही जरूरी कागजात सभा पटल पर रखवाये और सदस्यों से अपने स्थान पर जाने का आग्रह किया।

इससे पहले अध्यक्ष ओम बिड़ला ने पूर्वाह्न 11 बजे जैसे ही प्रश्नकाल शुरू कराया, विपक्षी दलों के सदस्य शोरगुल करते हुए सदन के बीचों-बीच आ गये। कुछ सदस्य तख्तियां भी लिए हुए थे, जिन पर एसआईआर के विरोध में नारे लिखे थे।शोरशराबे के बीच ही बिड़ला ने प्रश्न पूछने के लिए एक सदस्य का नाम पुकारा और केन्द्रीय श्रम एवं रोजगार

- **विपक्षी सांसद बिहार में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर हंगामा कर रहे थे। स्पीकर ने उनसे बार-बार आग्रह किया, सदन में नियमानुसार काम होने दें, पर विपक्षी सांसदों ने उनकी एक नहीं सुनी।**

मंत्री ने उसका जवाब भी दिया। इस दौरान सदस्य हंगामा करते रहे। बिरला ने शोरशराबा कर रहे सदस्यों से अपने-अपने स्थानों पर जाने और कार्यवाही चलने देने का आग्रह किया। बिड़ला ने कहा कि वह फिर सदस्यों से आग्रह करते हैं कि वे अपने-अपने स्थानों पर जायें और सदन की कार्यवाही चलने दें। पर विपक्षी सांसद हंगामा करते रहे। इस पर अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक और फिर दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

झारखंड के पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

प्रधानमंत्री ने सोरेन के पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलने के बाद, सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दुख की इस घड़ी में सोरेन के परिजनों से मिलकर उनके प्रति संवेदना व्यक्त की।

मोदी ने पोस्ट में लिखा, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन जी को

- **प्रधानमंत्री मोदी ने गंगाराम अस्पताल जाकर शिबु सोरेन को श्रद्धांजलि दी और आदिवासी समाज के हित में उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद किया।**

भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। दुख की इस घड़ी में हेमंत जी, कल्पना जी और सोरेन के प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं। उनका पूरा जीवन जनजातीय समाज के कल्याण के लिए समर्पित रहा। इसके लिए वे सदैव याद किये जायेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी सोमवार को यहां गंगा राम अस्पताल जाकर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

'ओम बिड़ला के ओ.एस.डी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गई जानकारी पर विचार करते हुए और रिकॉर्ड का अवलोकन करने के उपरांत, यह निर्देश दिया जाता है कि याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई भी दंडात्मक कार्रवाई, जिसमें गिरफ्तारी भी शामिल है, तब तक नहीं की जाएगी, जब तक वे चल रही जांच में पूर्ण सहयोग और भागीदारी सुनिश्चित करते हैं। यदि

- **अदालत ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए, मामले की विस्तृत कानूनी जाँच करने को कहा है और कहा है कि इस मामले की जाँच से जुड़ी प्रगति की रिपोर्ट राजस्थान पुलिस के डी.जी.पी. के साथ साझा की जाए। अदालत ने कहा, इस मामले की विस्तृत जाँच की रिपोर्ट आठ सप्ताह की भीतर अदालत में पेश की जाए।**

किसी प्रकार की कार्रवाई की आवश्यकता हो, तो उसके लिए पूर्व अनुमति इस न्यायालय से प्राप्त की जाए।''

न्यायालय ने यह भी कहा कि ''मामले की प्रकृति को देखते हुए, जिसमें एक ओर मानव तस्करी जैसे जघन्य अपराधों और दूसरी ओर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत आरोप शामिल हैं तथा अजमेर, पाली, कोटा और बूंदी में दर्ज कई एफआईआर और शिकायतों के मद्देनज़र, जांच को समग्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और त्वरित ढंग से किया जाए। यह जाँच दिनेश एम.एन. की निगरानी और निर्देश में की जाएगी।

अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि संबंधित ज़ीरो एफआईआर को उपयुक्त क्षेत्राधिकार वाले पुलिस थाने को स्थानांतरित कर पुन: कानून के अनुसार दर्ज किया जाए। इस बीच, याचिकाकर्ता ने प्रधानमंत्री कार्यालय को एक पत्र लिखा है, जिसमें बताया गया है कि कैसे उसके खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए हैं और उसे धमकाया तथा प्रताड़ित किया जा रहा है।

इस संवाददाता ने राजीव दत्ता से संपर्क कर इस पर प्रतिक्रिया और उनका पक्ष जानना चाहा तो उन्होंने संक्षिप्त रूप में कहा कि ''मामला विचाराधीन है।''

अमित शाह ने सदन की आंतरिक सुरक्षा पर हाई लेवल मीटिंग की

नई दिल्ली, 04 अगस्त। संसद भवन में सोमवार को गृह मंत्री अमित शाह ने आंतरिक सुरक्षा को लेकर हाई लेवल बैठक की। इस दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) डायरेक्टर तपन कुमार डेका, गृह सचिव गोविंद मोहन मौजूद रहे। इससे पहले संसद भवन

- **राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, इन्टेलीजेंस ब्यूरो डायरेक्टर तपन कुमार डेका तथा ग्रह सचिव गोविन्द मोहन बैठक में शामिल थे।**

में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू के साथ बैठक की। दिल्ली में ये बैठकें जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के 6 साल पूरे होने से एक दिन पहले हुई हैं।

ममता बनर्जी ने अपने भतीजे को लोकसभा में पार्टी का नेता बनाया

कोलकाता/दिल्ली, 04 अगस्त। तृणमूल कांग्रेस ने संसद के मानसून सत्र के बीच बड़ा राजनीतिक कदम उठाते हुए पिछली तीन लोकसभा से पार्टी के सदन के नेता रहे सुदीप बंद्योपाध्याय को हटाकर पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को पार्टी का नया नेता नियुक्त किया है।

पार्टी ने इसके साथ ही लोकसभा में अपने मुख्य सचेतक कल्याण बनर्जी को भी हटा दिया है और उनकी जगह वरिष्ठ सांसद काकोली घोष दस्तीदार को पार्टी का नया मुख्य सचेतक नियुक्त किया है।

इस नियुक्ति के साथ ही पार्टी की तेज तर्रार

- **कल्याण बनर्जी को हटाकर काकोली घोष दस्तीदार को मुख्य सचेतक नियुक्त किया।**

नेता बनर्जी ने तत्काल मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया है।

तृणमूल कांग्रेस ने यह निर्णय पार्टी नेता ममता बनर्जी की अध्यक्षता में पार्टी के सांसदों की वर्चुअल बैठक के बाद लिया है। मानसून सत्र के कारण पार्टी के ज्यादातर सदस्य इस समय दिल्ली में मौजूद हैं इसलिए ममता बनर्जी को वर्चुअल बैठक लेनी पड़ी।

कुपवाड़ा में आतंकवादी ठिकाना पकड़ा गया

श्रीनगर , 04 अगस्त। सुरक्षा बलों ने सोमवार को जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में एक गुफा के अंदर आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया और 12 चीनी ग्रेनेड समेत, हथियारों तथा गोला-बारुद का बड़ा जखीरा बरामद किया। आधिकारिक प्रवक्ता के मुताबिक, कुपवाड़ा के कलारूस इलाके में सेना और पुलिस के तीन दिनों तक चले संयुक्त अभियान के बाद इस ठिकाने का भंडाफोड़ हुआ। अभियान में सुरक्षा बलों ने एक पथरीली गुफा का पता लगाया और वहां से 12 चीनी ग्रेनेड, गोला-बारुद से लैस चीनी पिस्तौल, केनवुड रेडियो सेट, उर्दू आईईडी मैनुअल और छड़ें बरामद कीं। उन्होंने बताया कि खुफिया जानकारी के अनुसार, आतंकवादियों को उनके पाकिस्तानी आकाओं ने आने वाले दिनों में पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए इनका इस्तेमाल करने का निर्देश दिया था।

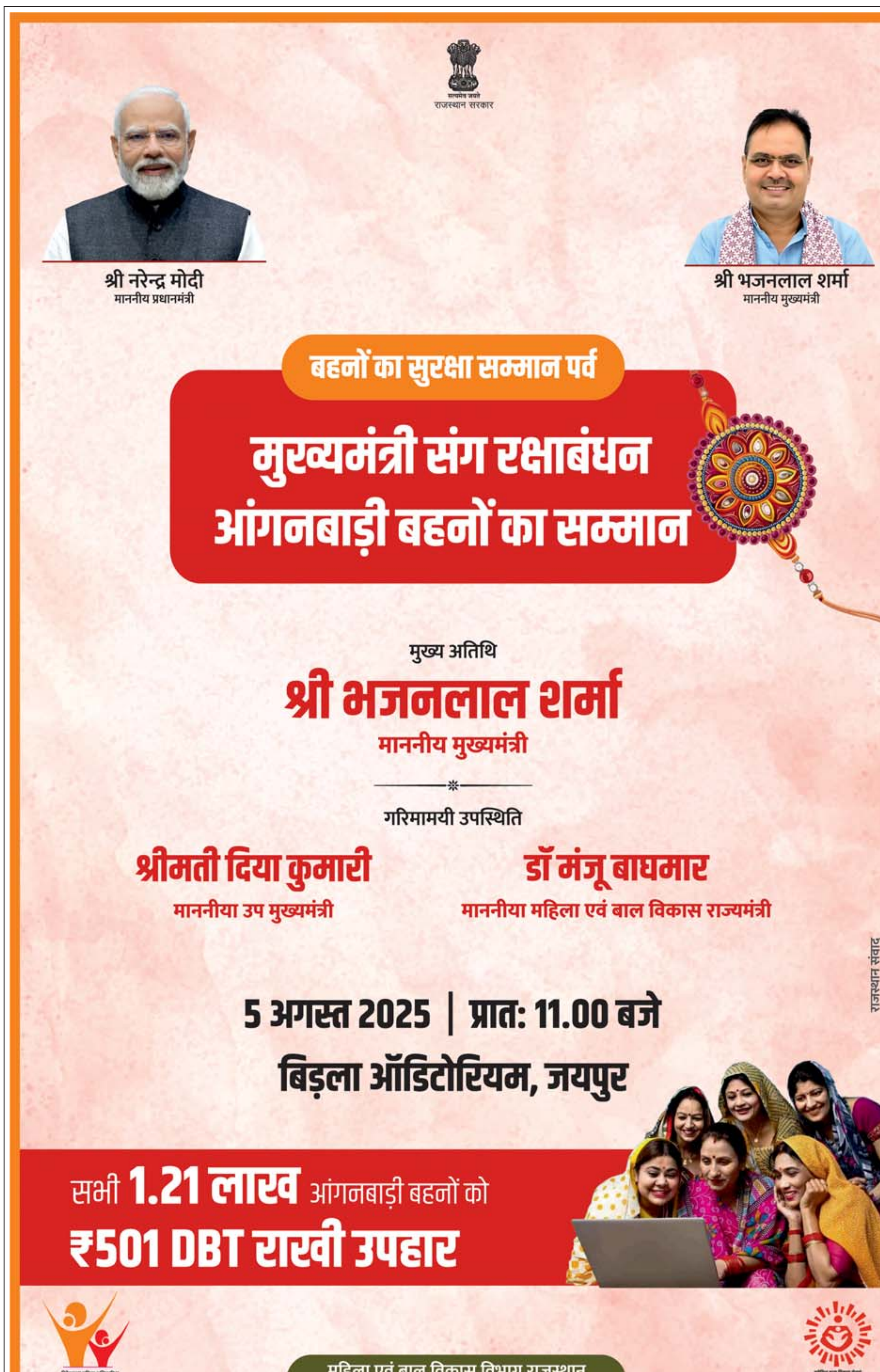

'अभिव्यक्ति की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोई ठोस आधार है क्या? एक सच्चा भारतीय ऐसा नहीं कहेगा। जब सीमा पर तनाव है, तब क्या इस तरह के बयान दिए जाने चाहिए? आपके पास अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, इसका मतलब यह नहीं कि आप कुछ भी कह सकते हैं।'' राहुल गांधी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि ''इस तरह की टिप्पणी को लेकर किसी तीसरे पक्ष द्वारा मानहानि का मुकदमा नहीं दायर किया जा सकता। इस प्रकार का मानहानि का आरोप लगाकर किसी को परेशान नहीं किया जाना चाहिये। हाईकोर्ट का कहना है कि शिकायतकर्ता 'अपमानित तो हुए हैं, लेकिन प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित नहीं थे', जो कि कानूनी दृष्टि से सही नहीं है।'' सुप्रीम कोर्ट ने कार्यवाही पर स्टे देते हुये, राज्य सरकार को नोटिस जारी कर दिया। मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह बाद होगी।

'रुस से तेल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घोषणा की है। इस संबंध में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हस्ताक्षिरत आदेश में भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त आयात शुल्क लगाया गया है। साथ ही ट्रंप ने घोषणा की थी कि रूस से तेल खरीदने के लिए दंड के रूप में भारत पर और शुल्क लगाये जायेंगे, हालाँकि उक्त आदेश में इस संबंध में कुछ भी स्पष्ट नहीं किया गया था।

स्कूल इमारतों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हालातों को लेकर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया था। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने दोनों स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर जनहित याचिका के तौर पर एक साथ सुनवाई करना तय किया है।

ट्रंप की टैरिफ धमकी के जवाब...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कूटनीतिक, आर्थिक और अन्य, ताकि यूक्रेन में चल रहे युद्ध को समाप्त कर शांति लाई जा सके।''

पिछले हफ्ते ट्रंप ने पत्रकारों से कहा था कि उन्होंने ''सुना'' है कि भारत अब रूसी तेल नहीं खरीदेगा और इसे ''एक अच्छा कदम'' बताया। ब्लूमबर्ग ने रिपोर्ट किया था कि रिफाइनरियों को गैर-रूसी तेल खरीदने की योजना तैयार करने को कहा गया है, हालांकि एक सूत्र ने इसे केवल ''परिस्थिति आधारित योजना'' बताया।

''न्यूयॉर्क टाइम्स'' ने शनिवार को रिपोर्ट किया कि भारत, रूसी कच्चा तेल खरीदता रहेगा, भले ही ट्रंप प्रशासन प्रतिबंधों की धमकी दे। रिपोर्ट में दो वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों के हवाले से यह बात कही गई, जिनके नाम उजागर नहीं किए गए।

ब्लूमबर्ग द्वारा संपर्क करने पर भारत के पैट्रोलियम मंत्रालय के प्रवक्ता ने ब्लूमबर्ग के सवाल पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

भारत की रिफाइनरियों को यूरोपीय संघ और अमेरिका, दोनों ने निशाना बनाया है क्योंकि वे यूक्रेन युद्ध के दौरान मॉस्को को समर्थन देने के रूप में रूसी तेल खरीद रही हैं।

भारत अब रूसी समुद्री कच्चे तेल का दुनिया का सबसे बड़ा खरीदार बन गया है, जो पहले लगभग शून्य था और अब कुल आयात का लगभग एक-तिहाई है।

हालांकि चीन रूस का प्रमुख आर्थिक और कूटनीतिक साझेदार है, लेकिन ट्रंप के लिए दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाना कठिन है, क्योंकि चीन के पास दुर्लभ-भूमि मैग्नेट्स हैं, जो अमेरिका की उच्च तकनीक वाली वस्तुओं के निर्माण आवश्यक हैं। अमेरिका और चीन ने हाल के महीनों में आपसी संबंधों को स्थिर करने के लिए वार्ताएं की हैं, हालांकि दोनों देशों ने इस साल की शुरुआत में एक-दूसरे की वस्तुओं पर 100 प्रतिशत से अधिक टैरिफ लगाए थे।

कश्मीर को फिर से राज्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कंवलजीत सिंह ढिल्लों ने सोशल मीडिया पर चिंता जताते हुए कहा, ''कश्मीर में शांति बहुत सी जानों की कीमत पर आई है। किसी भी फैसले में जल्दबाज़ी नहीं होनी चाहिये। सब कुछ ठीक होने दें।'' उनकी सोशल मीडिया पोस्ट को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी फॉलो करते हैं। भू-राजनीतिक विश्लेषक आरती टिक्कू सिंह ने इन अटकलों पर चिन्ता जताई है कि कश्मीर और जम्मू, दो अलग-अलग राज्य बनाये जा सकते हैं। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''ऐसा कोई भी कदम विनाशकारी हो सकता है।'' इसके साथ ही, एक अन्य चर्चा यह भी है कि राज्य का दर्जा बहाल होने के बाद फिर से चुनाव कराए जा सकते हैं, क्योंकि पिछले चुनाव उस समय हुये थे जब यह क्षेत्र केन्द्र शासित था। खुद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जून में कहा था कि अगर राज्य का दर्जा मिलने के बाद विधानसभा भंग कर फिर से चुनाव कराए जाएं, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी।

क्या बिहार चुनाव के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, ''स्पष्ट है कि वे खुद को एक ऐसे क्षेत्रीय नेता के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं, जो जमीनी हकीकत पर ध्यान देता है और दिल्ली की बात को आंख मूंदकर नहीं मानता।''

आंध्र प्रदेश के किसान और मत्स्य समुदाय पहले ही बढ़ती लागत, निर्यात में रुकावटें और अनिश्चित जलवायु जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। ऐसे में अमेरिका की टैरिफ वृद्धि ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी है। नायडू की त्वरित प्रतिक्रिया न केवल किसानों के हितों की रक्षा के लिए है, बल्कि खुद को एक क्रियाशील और संवेदनशील प्रशासक के रूप में प्रस्तुत करने की रणनीति भी है।

हालांकि नायडू और मोदी के बीच अभी तक कोई सीधे टकराव की स्थिति नहीं बनी है, लेकिन मुख्य मुद्दों पर बढ़ता मतभेद आने वाले दिनों में एन.डी.ए. के अंदर रिश्तों को और जटिल बना सकता है, खासकर ऐसे समय, जब 2025 की राजनीतिक गतिविधियाँ तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

एक तरफ जहाँ बिहार चुनाव 2026 के आम चुनाव से पहले राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधनों की दिशा तय कर सकते हैं, वहीं, अब सबकी निगाहें चंद्रबाबू नायडू पर हैं, जो एनडीए के सबसे अनुभवी और रणनीतिक नेताओं में से एक माने जाते हैं। देखना यह है कि वे अंतत: किस दिशा में कदम बढ़ाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने भूपेश बघेल को हाईकोर्ट जाने को कहा

नयी दिल्ली, 04 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने 2160 करोड़ रुपए के कथित शराब घोटाला समेत, अन्य मामलों से जुड़े धन शोधन के आरोपों में घिरे छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके बेटे चैतन्य बघेल को सोमवार को कोई राहत न देते हुए उनकी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने पिता-पुत्र से कहा कि वे इस मामले में पहले उच्च न्यायालय या निचली अदालत के समक्ष राहत की गुहार लगा सकते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908